RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

# इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 04 OCTOBER TO 10 OCTOBER 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 3 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

**Inside News**

जीएसटी कलेक्शन से गदगद सरकार फिर से 1.60 लाख करोड़ रुपये के पार, 10 फीसदी की ग्रोथ Page 3

फिर घटा भारत का डॉलर भंडार, विदेशी मुद्रा को तरसते पाकिस्तान में भी कमी Page 4

दुनियाभर में इकॉनमी के मोर्चे पर काले बादल पर भारत लगातार दिखा रहा दमखम Page 5

**editoria!**

## बदल जाएंगे समीकरण

जाति आधारित गणना के नतीजे जारी कर बिहार ने देश की राजनीति को फिर एक घुमावदार मोड़ दे दिया है। चाहे सत्तर के दशक में आपातकाल के खिलाफ जेपी आंदोलन हो या नब्बे के दशक में शुरू हुई मंडल राजनीति- बिहार ने दोनों मौकों पर बदलाव की अगुआई की थी। अब जब पिछले करीब एक दशक से देश में कथित सेकुलर राजनीति को विस्थापित करती हुई राष्ट्रवादी राजनीति हावी दिख रही थी, जाति आधारित गणना के नतीजों के रूप में बिहार ने ऐसा धमाका किया है, जिसके अंदर चुनावी राजनीति के समीकरण बदलने का माद्दा है। खैर, अभी तो सब इसी गणना में लगे हैं कि अगर पिछड़े और अति पिछड़े मिलकर राज्य की आबादी का दो तिहाई हो जाते हैं तो फिर इसकी काट के तौर पर दूसरा कौन सा समीकरण पेश किया जा सकता है। चूंकि बिहार सरकार ने जाति आधारित गणना की रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी है, तो अब केंद्र की ँव्ह सरकार का यह तर्क निरर्थक हो गया है कि राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा करना व्यावहारिक रूप में संभव नहीं है। अब हर तरफ से यही सवाल उठेगा कि जब एक राज्य में संभव हो गया तो दूसरे राज्यों में और राष्ट्रीय स्तर पर भी यह काम क्यों नहीं हो सकता। चूंकि इस सवाल का कोई संतोषजनक जवाब उपलब्ध नहीं है, इसलिए BJP नेताओं का भी मुख्य स्वर यही हो गया है कि वे जाति आधारित गणना के खिलाफ नहीं हैं और बिहार सरकार के फैसले में भी शुरू से शामिल रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि जातिगत जनगणना के मसले पर पॉजिटिव रुख दिखाकर BJP क्या I.N.D.I.A गठबंधन के मुकाबले बढ़त बना पाएगी? अक्सर ऐसा होता है कि जिस मुद्दे पर जिसने शुरुआत की, उसे उसका लाभ भी तुलनात्मक रूप से अधिक होता है। जाति जनगणना के मामले में यह काम JDU और RJD ने किया है, जो BJP के खिलाफ बने I.N.D.I.A गठबंधन का हिस्सा हैं। लेकिन इसके साथ यह भी याद रखना होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। ऐसे में किसी भी चुनाव में मोदी फैक्टर की अनदेखी नहीं की जा सकती। दूसरी ओर, यह सवाल भी बना हुआ है कि क्या यह मुद्दा चुनाव तक प्रासंगिक बना रहेगा! राजनीति में तो एक सप्ताह का वक्त भी लंबा माना जाता है, ऐसे में 6 महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव तक बहुत कुछ बदलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। दूसरी बात यह कि 2023 का भारत नब्बे के दशक के भारत से अलग है। जाति आज भी महत्वपूर्ण है, लेकिन वह हमारी आजीविका, सोच और खासकर वोटिंग बिहेवियर को उस तरह से प्रभावित नहीं करती, जैसे नब्बे के दशक में करती थी। इसलिए देखना होगा कि यह मुद्दा लोगों तक किस रूप में पहुंचता है, राजनीतिक दल खुद को इसके लिए किस तरह से तैयार करते हैं और जातीय गणित से आगे इसकी केमिस्ट्री किस तरह से विकसित होती है।

# ओपेक हेड की चेतावनी से कोहराम

## जल्द 100 डॉलर पहुंचेगा क्रूड ऑयल, वजह है यह संकट

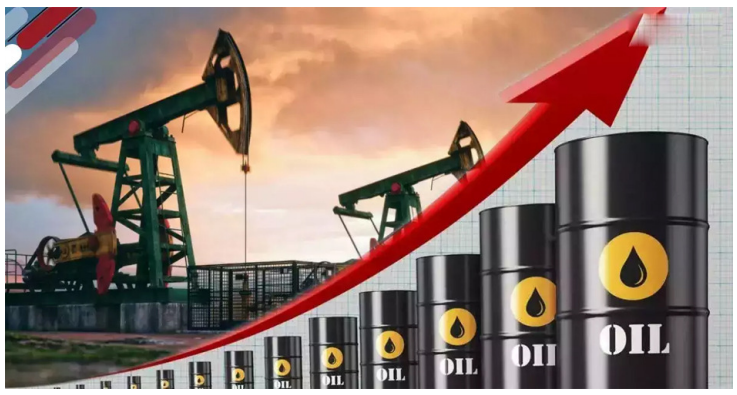


**नई दिल्ली। एजेंसी**

**दुनिया के प्रमुख तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक के प्रमुख ने एक चेतावनी दी है। ओपेक के महासचिव हैथम अल घैस ने सीएनएन को बताया कि ऑयल इंडस्ट्री में इन्वेस्टमेंट की कमी आ रही है, जो ग्लोबल एनर्जी सिक्योरिटी के लिए एक खतरा है। इससे कच्चे तेल की कीमतें जल्द ही 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं।**

### 12 ट्रिलियन डॉलर निवेश की जरूरत

अबू धाबी में एडीपीईसी एनर्जी समिट में घैस ने कहा कि अब से 2045 के बीच ऑयल इंडस्ट्री में कम से कम 12 ट्रिलियन डॉलर का कुल निवेश आवश्यक है, ताकि ऊर्जा की कीमतों में उछाल को रोका जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि ऑयल सेक्टर में कम निवेश 'खतरनाक' है। उन्होंने कहा, 'कम निवेश करके हम वास्तव में ऊर्जा सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं। मुझे लगता है कि मांग बढ़ने के साथ कीमतों में उतार-चढ़ाव बढ़ने की गंभीर संभावनाएं हैं।'

### 90 डॉलर से ऊपर पहुंचा ब्रेंट क्रूड

वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड ऑयल जून के मध्य के निचले स्तर से 29ड्ड बढ़ गया है। यह पिछले नवंबर के बाद से अपने उच्चतम स्तर के करीब कारोबार करता दिख रहा है। बुधवार को यह 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर ट्रेड करता दिखा। मुख्य रूप से सऊदी अरब और रूस द्वारा उत्पादन में कटौती को बढ़ाने के चलते दाम ऊपर जा रहे हैं।

### 100 डॉलर तक पहुंच सकती है कीमतें

जब घैस से पूछा गया कि क्या कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जाएगी, तो उन्होंने कहा, 'ओपेक कीमतों का पूर्वानुमान नहीं करता है, लेकिन इस संख्या को जन्म दे सकने वाले कारक कुछ समय से मौजूद हैं और बने हुए हैं। सबसे बड़ा कारक तो तेल सेक्टर में निवेश की कमी है।'

### खतरे में वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा

उन्होंने कहा, 'दुनिया इस निवेश की कमी की समस्या को सुलझा ले यह काफी जरूरी और महत्वपूर्ण है। कम निवेश करके हम वास्तव में ऊर्जा सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं। दुनिया को अब से 2045 तक कम से कम 12 ट्रिलियन डॉलर के निवेश की आवश्यकता होगी।'

## कैबिनेट की बैठक में बड़ा फैसला

# उज्ज्वला योजना वाले सिलेंडर पर बढ़ी सब्सिडी

**नई दिल्ली। एजेंसी**

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बड़ा फैसला हुआ है। अब प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (Pradhan Mantri Ujjwala Yojana) में सब्सिडी बढ़ा दी गई है। सब्सिडी 200 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये कर दी गई है। केंद्र सरकार के कैबिनेट की बुधवार को बैठक हुई है। बैठक में सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए सब्सिडी राशि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। बता दें कि केंद्र सरकार ने एलपीजी सिलेंडर पर अतिरिक्त 100 रुपये की सब्सिडी देने का ऐलान किया है। बता दें कि पिछले अगस्त महीने के अंत में दिल्ली में सामान्य ग्राहकों को घरेलू सिलेंडर 1103 रुपये में मिल रहा था। इसके बाद सरकार ने इसमें बड़ी कटौती करते हुए दो सौ रुपये सस्ता कर दिया तो सिलेंडर के दाम 903 रुपये हो गए। वहीं उज्ज्वला योजना के तहत आने वाले ग्राहकों को घरेलू सिलेंडर 703 रुपये में मिल रहा था। अब नई कटौती के बाद सिलेंडर की कीमत 603 रुपये हो गई है।

### इन लोगों को मिलेगा फायदा

यह फायदा उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को मिलेगा। इस तरह से अब सिलेंडर की कीमत 603 रुपये हो गई है। बता दें कि अब तक सरकार उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को गैस सिलेंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी दे रही थी। अब इसे 100 रुपये और बढ़ा दिया गया है। इसके साथ नई सब्सिडी कुल 300 रुपये की हो गई है।

### फ्री में मिलता है गैस और चूल्हा

बता दें कि उज्ज्वला योजना की शुरुआत मई 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। योजना के लाभार्थियों को पहली बार में गैस सिलेंडर और गैस चूल्हा फ्री में दिया जाता है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने संवाददाताओं को बताया कि दुनियाभर की एजेंसियों ने उज्ज्वला योजना की तारीफ की है। इससे महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। अब तक इस योजना के तहत 9.60 करोड़ गैस कनेक्शन बांटे जा चुके हैं। अगले तीन वित्त वर्ष में 75 लाख कनेक्शन और दिए जाएंगे। इससे गरीब परिवारों को फायदा होगा। पहला रिफिल और स्टोव इसमें फ्री दिया जाता है। इसका खर्च ऑयल मार्केटिंग कंपनियां उठाती हैं।

### केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दी जानकारी

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए सब्सिडी की राशि बढ़ाए जाने की जानकारी दी। ग्रामीण और वंचित परिवारों को एलपीजी गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरुआत की गई थी। इस योजना का फायदा करोड़ों लोगों को हुआ है। दरअसल भारत में बड़ी आबादी ऐसी थी, जो खाना पकाने के लिए कोयला,लकड़ी, गोबर के उपले आदि ईंधनों का इस्तेमाल करती थी। अब सरकार की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत इन्हें गैस सिलेंडर और चूल्हा उपलब्ध कराया जा रहा है।

# जीएसटी काउंसिल श्री अन्न प्रोडक्ट पर टैक्स घटाने पर कर सकती है विचार

## जीएसटी काउंसिल इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी पर कर कम करने की मांग को खारिज कर सकती है

**नई दिल्ली। एजेंसी**

वस्तु एवं सेवा कर परिषद की शनिवार को होने वाली बैठक में श्री अन्न (बाजारा जैसे अनाज) मिश्रित उत्पादों के साथ ही कुछ वस्तुओं पर कर की दरों में बदलाव पर विचार कर सकती है। हालांकि उद्योग द्वारा लंबे समय से की जा रही कुछ मांगों और कराधान मसले को आगे की चर्चा के लिए टाला जा सकता है। एक सूत्र ने बताया कि यदि किसी उत्पाद में कम से कम 70 फीसदी श्री अन्न मिला हुआ है और उसे खुला बेचा जाता है तो उस पर परिषद शून्य कर का विचार कर सकती है जबकि डिब्बाबंद या ब्रांडेड उत्पादों पर 12 फीसदी की दर से कर वसूला जा सकता है।

यह केंद्र और राज्यों के राजस्व अधिकारियों वाली फिटमेंट समिति की सिफारिशों के अनुरूप है। फिटमेंट समिति ने श्री अन्न आटे से तैयार खाद्य उत्पादों पर शून्य जीएसटी का सुझाव दिया है। वर्तमान में इस तरह के उत्पादों पर 18 फीसदी की दर से जीएसटी लगता है। कुछ उत्पादों को छोड़कर परिषद अन्य मुद्दों पर यथास्थिति बनाए रख सकती है या उसे टाल सकती है। सूत्रों ने बताया कि इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों पर कर को मौजूदा 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी करने की मांग पर परिषद यथास्थिति बनाए रख सकती है। इसकी तार्किकता समझाते हुए उन्होंने कहा, 'इलेक्ट्रिक वाहनों में आम तौर पर लीथियम-आयन बैटरियों का उपयोग होता है। हालांकि इसका मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों आदि में भी उपयोग किया जाता है। ऐसे में दर घटाने के उद्योग के प्रस्ताव पर विचार होने की संभावना नहीं है।'

सूत्रों ने कहा कि इसी तरह क्रिप्टोकरेंसी या वर्चुअल डिजिटल संपत्ति पारिस्थितिकी तंत्र के संबंध में आपूर्ति की प्रकृति और कर योग्यता के मुद्दे को टाला जा सकता है। इस बारे में चर्चा की जानकारी रखने वाले एक अन्य सूत्र ने कहा, 'क्रिप्टो पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े मुद्दे का और गहनता से अध्ययन करने की जरूरत है।

पहले निर्णय किया गया था कि हरियाणा और कर्नाटक इसके सभी पहलुओं का अध्ययन करेगा और फिटमेंट समिति को मसौदा पत्र सौंपेगा। लेकिन हरियाणा और कर्नाटक ने मसौदा पत्र सौंपने में अक्षमता जताई है। इस पर सहमति बनी है कि कर अनुसंधान इकाई इस मुद्दे का अध्ययन कर सकती है और मसौदा पत्र प्रस्तुत कर सकती है।' इसके अलावा उद्योग द्वारा बेकरी उत्पादों खासकर खारी और क्रीम रोल पर कर लगाने को लेकर लंबे समय तक स्पष्टता की मांग को आगे और विचार विमर्श के लिए भेजा जा सकता है। बेकरी के सामान पर अब 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है। वहीं टोस्टेड सामान जैसे रस्क, ब्रेड छूट वाले 5 प्रतिशत कर ढांचे में आते हैं। स्टील स्क्रैप पर कर एक अन्य मसला है, जिसे परिषद की बैठक में टाला जा सकता है। उद्योग ने सुझाव दिया है कि स्टील स्क्रैप पर जीएसटी रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म के आधार पर लगाया जाना चाहिए। अभी स्टील स्क्रैप पर 18 प्रतिशत कर लगता है। इन वस्तुओं के अलावा परिषद संभवतः एरेटेड बेवरिज और एनर्जी ड्रिंक, तंबाकू उत्पादों पर मुआवजा उपकर से छूट के मसले पर भी संभवतः परिषद विचार नहीं करेगी। एरेटेड ड्रिंक्स पर अब 12 प्रतिशत उपकर लगता है, जबकि तंबाकू उत्पादों पर उपकर की दरें अलग अलग हैं और ये तंबाकू के स्वरूप पर निर्भर हैं। उद्योग ने मांग की है कि सिगरेट, बीड़ी, धुआंरहित उत्पादों पर एक समान उपकर और सिगरेट पर कम दर की मांग की है। तंबाकू उत्पादों पर मुआवजा उपकर की दरें खुदरा मूल्य के आधार पर लगती हैं, जो 8 प्रतिशत से लेकर 69 प्रतिशत तक हैं। परिषद दृष्टिहीनों द्वारा वाहन की खरीद पर दरों में कमी को मंजूरी दे सकती है।इस समय केवल हड्डी संबंधी समस्या के कारण अक्षम लोगों को छूट वाली जीएसटी की 18 प्रतिशत दर के पात्र माना गया है।

# शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन टूटा

## सेंसेक्स 286 अंक कमजोर हुआ, निफ्टी 19450 के पास

**नई दिल्ली। एजेंसी**

अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिफल के 16 साल के नए उच्च स्तर पर पहुंचने और नकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार बुधवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। लंबी अवधि के लिए ऊंची ब्याज दरों की आशंका से वैश्विक शेयर बाजार प्रभावित हो रहे हैं। इस बीच, बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केट कैप 2.49 लाख करोड़ रुपये घटकर 316.72 लाख करोड़ रुपये रह गया। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 286 अंक या 0.44 प्रतिशत कमजोर होकर 65,226 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 93 अंक या 0.47 प्रतिशत गिरकर 19,436 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ ही शेयर बाजार एक महीने से ज्यादा के निचले स्तर पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में एक्सिस बैंक में 4.7 प्रतिशत और भारतीय स्टेट बैंक में 2.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज फिनसर्व के शेयर भी नुकसान में रहे। वहीं दूसरी ओर नेस्ले, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस और इन्फोसिस बढ़त के साथ बंद हुए। 13 प्रमुख सेक्टोरल सूचकांकों में से 11 में गिरावट दर्ज की गई, जिसमें इंडेक्स हैवीवेट बैंक 0.98ज्ञ गिर गए। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और रियल्टी में क्रमशः 2.83ज्ञ प्रतिशत और 1.73 प्रतिशत की गिरावट आई। घरेलू स्तर पर अधिक केंद्रित स्मॉल और मिड-कैप ने ब्लू-चिप्स के मुकाबले 1.25ज्ञ से 1.5ज्ञ के बीच गिरावट दर्ज की। मंगलवार के कारोबारी सेशन के दौरान रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तीन पैसे की गिरावट के साथ 83.23 रुपये पर बंद हुआ।

# तेल 100 डॉलर से ऊपर गया तो बढ़ेगी अराजकता

## महामारी के दौरान तेल की कीमतों को स्थिर करने के लिए दुनिया एकजुट हुई थी

**नई दिल्ली। एजेंसी**

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को चेतावनी दी है कि अगर कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जाती है तो इससे 'संगठित अराजकता' फैलेगी। पुरी की यह प्रतिक्रिया अबूधाबी में चल रहे एडीआईपीईसी तेल व गैस सम्मेलन में सऊदी अरब और रूस द्वारा इस साल के अंत तक तेल के उत्पादन में कटौती जारी रखने की घोषणा के बाद आई है। बुधवार सुबह सीएनएन पर एक चर्चा के दौरान पुरी ने कहा, 'अगर कीमत 100 डॉलर से ऊपर जाती है तो यह उत्पादक देश या अन्य किसी के हित में नहीं है। आप व्यापक और संगठित अव्यवस्था पैदा करेंगे।' उन्होंने कहा कि पिछले 18 महीने से कीमत बढ़ रही है और इससे विश्व के विकासशील देशों के तमाम इलाकों में 10 करोड़ लोग गरीबी की चपेट में आ गए हैं। एक दिन पहले पुरी ने कहा था कि तेल उत्पादकों को तेल की खपत करने वाले देशों जितनी ही संवेदनशीलता दिखाने की जरूरत है, जैसा कि विश्व के अन्य देशों ने महामारी के दौरान दिखाई थी। भारत अपने कच्चे तेल की जरूरत का 60 प्रतिशत आयात करता है, जिसकी कीमत 101 अरब डॉलर के करीब है। पुरी ने कहा था कि महामारी के दौरान जब कच्चे तेल की कीमत गिर गई थीं तब कीमतों को स्थिर करने के लिए दुनिया सामने आई थी, जिससे उत्पादकों के लिए यह टिकाऊ स्तर पर बनी रहे। महामारी के दौरान कच्चे तेल की कीमत 20 डॉलर प्रति बैरल तक गिर गई थी और कीमत 50 डॉलर प्रति बैरल से कम पर आ गई थी।

# देश का कोयला उत्पादन 16 प्रतिशत बढ़कर 67.21 मिट्रिक टन हुआ, मंत्रालय ने बयान जारी कर ये कहा

**नई दिल्ली। एजेंसी**

मंत्रालय ने कहा कि कोयला क्षेत्र में अभूतपूर्व तेजी देखी गई, जिसमें उत्पादन, प्रेषण और स्टॉक का स्तर उल्लेखनीय ऊंचाइयों तक पहुंच गया। कोयला मंत्रालय ने कहा कि वह लगातार कोयला उत्पादन और प्रेषण बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। देश का कोयला उत्पादन सितंबर में 15.81 प्रतिशत बढ़कर 67.21 करोड़ टन रहा जो एक साल पहले इसी महीने में 58.04 करोड़ टन था। कोयला मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष में सितंबर तक कुल कोयला उत्पादन 12.06 प्रतिशत बढ़कर 428.25 मिट्रिक टन हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 382.16 मिट्रिक टन था।

घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान करने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड का उत्पादन सितंबर में बढ़कर 51.44 मिट्रिक टन हो गया, जो एक साल पहले 45.67 मिट्रिक टन था। इसके अलावा कोयले की ढुलाई बढ़कर 70.33 मिट्रिक टन हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष के सितंबर में 61.10 मिट्रिक टन थी।

मंत्रालय ने कहा कि कोयला क्षेत्र में अभूतपूर्व तेजी देखी गई, जिसमें उत्पादन, प्रेषण और स्टॉक का स्तर उल्लेखनीय ऊंचाइयों तक पहुंच गया। कोयला मंत्रालय ने कहा कि वह लगातार कोयला उत्पादन और प्रेषण बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। मंगलवार को बाजार में ओपनिंग भी लाल निशान पर ही हुई थी। कारोबार के दौरान बाजार के दोनों इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में करीब आधे फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। आज के ट्रेडिंग सेशन में सेंसेक्स में 316.31 प्वाइंट या फिर 0.48 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 इंडेक्स 109.50 प्वाइंट्स यानी कि 0.56 की गिरावट के साथ क्लोज हुआ। मंगलवार के कारोबारी सेशन के दौरान 1816 शेयरों में खरीदारी, 1817 शेयरों में बिकवाली दिखी। हालांकि 189 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

# ब्याज दर की समीक्षा के लिए आरबीआई एमपीसी की बैठक शुरू, 6 अक्टूबर को आएगा फैसला

**नई दिल्ली। एजेंसी**

आरबीआई एमपीसी की बैठक 4 अक्टूबर से लेकर 6 अक्टूबर तक चलेगी। आरबीआई एमपीसी में छह सदस्य होते हैं जो कि महंगाई डेटा वैश्विक अर्थव्यवस्था और अन्य केंद्रीय बैंकों की ओर से लिए जा रहे निणर्य के मुताबिक ब्याज दरों को घटाने बढ़ाने एवं स्थिर रखने पर फैसला लेते हैं। इस बार माना जा रहा है कि रेपो रेट स्थिर रह सकता है।

भारतीय रिजर्व बैंक (Reseve Bank of India (RBI) की मैद्रिक नीति समिती (RBI MPC Meeting) की बैठक बुधवार (4 अक्टूबर, 2023) से शुरू हो गई है। ये बैठक 6 अक्टूबर तक चलेगी। इसके फैसले का एलान बैठक के अंतिम दिन 6 अक्टूबर को आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास की ओर से किया जाएगा।

### ब्याज दरों पर होगी समीक्षा

आरबीआई एमपीसी में छह सदस्य होते हैं, जो कि महंगाई डेटा, वैश्विक अर्थव्यवस्था और अन्य केंद्रीय बैंकों की ओर से लिए जा रहे निणर्य के मुताबिक ब्याज दरों को घटाने, बढ़ाने एवं स्थिर रखने पर फैसला लेते हैं। इससे पहले अगस्त में भी एमपीसी की बैठक हुई थी, जिसमें ब्याज दरों को स्थिर रखा गया था।

### स्थिर रह सकती है ब्याज दरें

समाचार एजेंसी से बातचीत करते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि क्रेडिट पॉलिसी इस बार भी मौजूदा रेट स्ट्रक्चर पर रह सकती है। इस कारण रेपो रेट के भी 6.5 प्रतिशत पर बने रहने के आसार है। साथ ही उनकी ओर से कहा गया कि खुदरा महंगाई दर अगस्त में 6.8 प्रतिशत पर रही है। सितंबर और अक्टूबर में इसके नीचे आने की संभावना है।

### 2022 में बढ़ी थी ब्याज दरें

महंगाई को काबू में करने के लिए आरबीआई ने मई 2022 से लेकर फरवरी 2023 तक ब्याज दरों में इजाफा किया था। मई 2022 में 0.40 प्रतिशत, जून 2022 में 0.50 प्रतिशत, अगस्त 2022 में 0.50 प्रतिशत, सितंबर 2022 में 0.50 प्रतिशत, दिसंबर 2022 में 0.35 प्रतिशत और फरवरी 2023 में 0.25 प्रतिशत का रेपो रेट में इजाफा किया गया था।

# महंगाई से मिलेगी राहत

**नई दिल्ली। एजेंसी**

देश को जल्द ही बढ़ती महंगाई से राहत मिलेगी। वित्त मंत्री टीवी सोमनाथन ने कहा कि भारत में खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर तक घटने की उम्मीद है। देश की खुदरा मुद्रास्फीति अगस्त में लगातार दूसरे महीने आरबीआई के अनुमानित दायरे 2 से 6 प्रतिशत से ऊपर रही। हालांकि जुलाई में खुदरा महंगाई दर 7.44 फीसदी रही जो 15 महीने का उच्चतम स्तर है। देश में बढ़ती महंगाई से जल्द राहत मिलने की संभावना है। वित्त सचिव टीवी सोमनाथन ने कल रात कहा कि भारत की खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर तक कम होने की संभावना है। सोमनाथ के मुताबिक दिसंबर तक मौसमी कारक अधिक अनुकूल हो जाएंगे जिसके कारण खुदरा महंगाई कम हो सकती है। सोमनाथ ने कहा कि आरबीआई के अनुमान से अभी उपर है खुदरा महंगाई देश की खुदरा महंगाई अगस्त में लगातार दूसरे महीने 2 प्रतिशत से 6 प्रतिशत के आरबीआई के अनुमान के दायरे से ऊपर रही। वहीं जुलाई में खुदरा महंगाई 15 महीने के उच्च स्तर 7.44 प्रतिशत पर थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अनुमान लगाया है कि दिसंबर तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति गिरकर 5.7 प्रतिशत हो जाएगी, जो वित्तीय वर्ष 2024 में और कम होकर 5.4 प्रतिशत हो जाएगी।

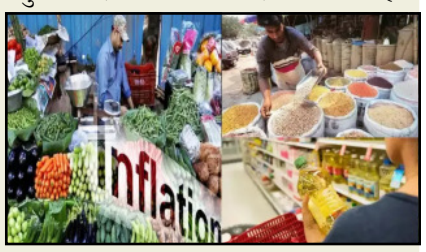


### क्यों बढ़ रही है महंगाई?

आपको बता दें कि खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी मुद्रास्फीति का मुख्य कारण रही है। अचानक मौसम में बदलाव के कारण सब्जियों, दूध और अनाज जैसे मुख्य खाद्य पदार्थों का उत्पादन प्रभावित हुआ है। जेपी मॉर्गन के व्यापक रूप से ट्रैक किए जाने वाले उभरते बाजार बॉन्ड सूचकांक में भारतीय बांडों को शामिल करने के बाद भी, देश का हमारे व्यापक आर्थिक हितों की रक्षा के लिए विनियमन और कराधान के मामले में नीति विवेक पूरी तरह से खुला है।वित्त सचिव ने कहा कि भारत 2025/26 तक राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4.5 प्रतिशत से नीचे तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। देश 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए 5.9 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे का लक्ष्य रख रहा है।

# क्रेडिट कार्ड से जमकर खरीदारी कर रहे भारतीय

**नई दिल्ली। एजेंसी**

क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल बीते कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। लोग अब क्रेडिट कार्ड से शापिंग करना पसंद करते हैं। कई बार क्रेडिट कार्ड की वजह से लोग ज्यादा शॉपिंग कर जाते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि क्रेडिट कार्ड से शॉपिंग करने के मामले में भारतीय सबसे आगे हैं। पिछले महीने यानी अगस्त में भारतीयों ने क्रेडिट कार्ड से सबसे ज्यादा खर्चा किया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में इस बात का पता चला है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीयों ने सिर्फ अगस्त के महीने में ही 1.47 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा क्रेडिट कार्ड से खर्च कर दिए हैं। पिछले महीने जुलाई में यह रकम 1.47 लाख करोड़ रुपये थी। इस साल मार्च में पहली बार क्रेडिट कार्ड से खर्च एक लाख करोड़ रुपये को पार कर गया था। इसके बाद हर महीने क्रेडिट कार्ड से होने वाली खरीदारी बढ़ती ही गई है।

### कम हो रही बचत

क्रेडिट कार्ड से भारतीयों की खरीदारी तो बढ़ी ही है। इसी के साथ ही बचत भी कम होती जा रही है। इस साल अगस्त के महीने में भारतीय परिवारों की बचत पिछले 16 वर्षों में सबसे कम रही है। देश की अर्थव्यवस्था के लिए यह हालात ठीक नहीं है। क्रेडिट कार्ड का सबसे ज्यादा इस्तेमाल युवा कर रहे हैं। युवाओं के पास बचत सबसे कम है।

### खरीदारी बढ़ेगी

अब त्योहारों का मौसम शुरू होने के साथ लोगों की खरीदारी और बढ़ेगी। लोग सैलरी की कमी को क्रेडिट कार्ड से पूरा कर रहे हैं। लेकिन ऐसा होने पर आमतौर पर भुगतान की क्षमता से ज्यादा खरीदारी हो जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना के बाद लोगों ने एक तरह से रिवेंज खरीदारी की है। बैंकों ने लोगों की इस भावना को समझा और सबसे सस्ती दरों पर कर्ज जैसे पर्सनल लोन दिए। लोगों ने भी लोन लेकर जमकर खरीदारी की। इससे बैंकों का रिटेल लोन साल 2019 से अब तक दोगुना हो गया है। अब भी बैंक सस्ते लोन दे रहे है।

## जीएसटी कलेक्शन से गदगद सरकार

# फिर से 1.60 लाख करोड़ रुपये के पार, 10 फीसदी की ग्रोथ

**नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क**

सितंबर महीने के लिए सकल जीएसटी राजस्व अगस्त के 1,59,069 करोड़ रुपये से 2.2 प्रतिशत बढ़कर 1,62,712 करोड़ रुपये हो गया। सितंबर के लिए 1,62,712 करोड़ रुपये के जीएसटी संग्रह में से केंद्रीय जीएसटी 29,818 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी 37,657 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी 83,623 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एकत्र 41,145 करोड़ रुपये सहित) और उपकर 11,613 करोड़ रुपये (माल के आयात पर 881 करोड़ रुपये के संकलन के साथ) शामिल है। सरकार ने

आईजीएसटी से सीजीएसटी को 33,736 करोड़ रुपये और एसजीएसटी को 27,578 करोड़ रुपये का निपटान किया। नियमित निपटान के बाद सितंबर में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के मद में 63,555 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के मद में 65,235 करोड़ रुपये था।

मौजूदा वित्त वर्ष 2023-24 में चौथी बार सकल जीएसटी संग्रह 1.60 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। सितंबर में समाप्त होने वाली 2023-24 की पहली छमाही के लिए सकल जीएसटी संग्रह (9,92,508 करोड़ रुपये) रहा है जो 2022-23 की पहली छमाही (8,93,334 करोड़ रुपये) के सकल जीएसटी संग्रह से 11 प्रतिशत अधिक है।

# फिर घटा भारत का डॉलर भंडार, विदेशी मुद्रा को तरसते पाकिस्तान में भी कमी

**नई दिल्ली। एजेंसी**

**विदेशी मुद्रा के मोर्चे पर भारत की हालत ठीक नहीं है। यह लगातार तीसरा सप्ताह है, जबकि अपने विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट हुई है। दरअसल, इस समय शेयर बाजार से विदेशी निवेशक भारी मात्रा में पैसे निकाल रहे हैं। इससे शेयर बाजार भी पस्त है। इसलिए इसका असर देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ा है। अब बीते 22 सितंबर को समाप्त सप्ताह को ही देखिए। उस सप्ताह भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.33 अरब डॉलर की कमी हुई है। उधर अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी इसी सप्ताह विदेशी मुद्रा घटी है। लेकिन यह कमी भारत के मुकाबले काफी कम है। इस दौरान पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में महज 14.8 करोड़ डॉलर की ही गिरावट हुई है।**

### कितना रह गया डॉलर का भंडार

रिजर्व बैंक की तरफ से से जारी आंकड़ों के मुताबिक बीते 22 सितंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भंडार में USD 2.335 billion की गिरावट हुई है। इससे एक सप्ताह पहले मतलब कि 15 सितंबर 2023 को समाप्त सप्ताह के दौरान इसमें $ 867 million की गिरावट हुई थी। उससे पहले यानी 8 सितंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भी इसमें $4.992 billion की भारी गिरावट हुई है। इसी के साथ अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार घट कर $590.702 billion रह गया है। ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो अक्टूबर 2021 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

### फॉरेन करेंसी एसेट्स में भी हुई कमी

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियां (Foreign Currency Asset) भी घटी हैं। बीते 22 सितंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान Foreign Currency Assets (FCAs) में USD 2.552 billion की कमी हुई है। अब अपना एफसीए भंडार USD 523.363 रह गया है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें $511 million की कमी हुई थी। उल्लेखनीय है कि कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट (FCA) एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

### गोल्ड रिजर्व में हुई बढ़ोतरी

इसी महीने की 22 तारीख को समाप्त सप्ताह के भारत के स्वर्ण भंडार (Gold reserves) में बढ़ोतरी हुई है। इस सप्ताह Gold reserves में 307 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले मतलब कि 15 सितंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान इसमें ₹384 स्त्त्न्दह की कमी हुई थी। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें USD 554 million की कमी हुई थी। अब अपना सोने का भंडार USD 44.307 billion तक पहुंच गया है।

### एसडीआर में हुई कमी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार (SDR) में कमी हुई है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान एसडीआर 79 मिलियन डॉलर घट कर 18.012 बिलियन डॉलर तक रह गया। इससे एक सप्ताह पहले इसमें ₹ 32 स्त्त्न्दह की बढ़ोतरी हुई थी। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (घ्श्इ) के पास रखे हुए देश के मुद्रा भंडार में भी कमी हुई है। आलोच्य सप्ताह के दौरान इसमें ळएअ 11 स्त्त्न्दह की कमी हुई। अब यह घट कर USD 5.019 billion रह गया है।

### पाकिस्तान में भी घटा डॉलर का भंडार

अपना पड़ोसी पाकिस्तान इस समय आर्थिक कंगाली के हालात से गुजर रहा है। स्थिति ऐसी हो गई है कि इस समय वहां सिर्फ आवश्यक वस्तुओं के आयात की ही अनुमित है। ऐसे माहौल में वहां कई सप्ताह बाद 15 सितंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान अच्छी खबर मिली थी। उस सप्ताह पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में 10.75 करोड़ डॉलर का इजाफा हुआ था। हालांकि, 22 सितंबर 2023 को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में 1.48 करोड़ डॉलर की कमी हुई है। अब वहां 13.161 अरब डॉलर का ही भंडार रह गया है।

---

केमेस्ट्री के नोबेल पुरस्कार का ऐलान

## क्वांटम डॉट्स की खोज करने वाले तीन वैज्ञानिकों को मिला सम्मान

**कोपेनहेगन। एजेंसी**

रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने क्वांटम डॉट्स की खोज और संश्लेषण के लिए मौंगी जी बावेंडी, लुईस ई ब्रूस और एलेक्सी आई एकिमोव को रसायन विज्ञान में 2023 नोबेल पुरस्कार देने का फैसला किया है। आज क्वांटम डॉट्स नैनोटेक्नोलॉजी के टूलबॉक्स का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। रसायन विज्ञान में 2023 का नोबेल पुरस्कार विजेता सभी नैनोवर्ल्ड की खोज में अग्रणी रहे हैं। नैनोटेक्नोलॉजी के ये सबसे छोटे घटक अब टेलीविजन और एलईडी लैंप से अपनी रोशनी फैलाते हैं, और कई अन्य चीजों के अलावा ट्यूमर सेल्स को हटाते समय सर्जनों का मार्गदर्शन भी कर सकते हैं।

### नैनोटेक्नोलॉजी में क्वांटम डॉट्स का बहुत महत्व

रसायन विज्ञान का अध्ययन करने वाला प्रत्येक व्यक्ति यह सीखता है कि किसी तत्व के गुण इस बात से नियंत्रित होते हैं कि उसमें कितने इलेक्ट्रॉन हैं। हालांकि, जब पदार्थ नैनो-डायमेंशन में सिकुड़ जाता है तो क्वांटम फेनोमेना पैदा होता हैं। ये पदार्थ के आकार से नियंत्रित होते हैं। रसायन विज्ञान 2023 में नोबेल पुरस्कार विजेताओं ने इतने छोटे कण बनाने में सफलता हासिल की है कि उनके गुण क्वांटम घटना से निर्धारित होते हैं। कण, जिन्हें क्वांटम डॉट्स कहा जाता है, अब नैनोटेक्नोलॉजी में बहुत महत्व रखते हैं।

### तीनों वैज्ञानिकों ने क्या किया

रसायन विज्ञान के लिए नोबेल समिति के अध्यक्ष जोहान एक्विस्ट ने कहा कि क्वांटम डॉट्स में कई आकर्षक और असामान्य गुण हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके आकार के आधार पर उनके अलग-अलग रंग होते हैं। 1980 के दशक की शुरुआत में एलेक्सी एकिमोव रंगीन कांच में आकार-निर्भर क्वांटम प्रभाव बनाने में सफल रहे। यह रंग कॉपर क्लोराइड के नैनोकणों से आया और एकिमोव ने प्रदर्शित किया कि कण का आकार क्वांटम प्रभावों के माध्यम से कांच के रंग को प्रभावित करता है। कुछ साल बाद, लुई ब्रूस दुनिया के पहले वैज्ञानिक थे जिन्होंने किसी तरल पदार्थ में स्वतंत्र रूप से तैरते कणों में आकार-निर्भर क्वांटम प्रभाव साबित किया।

---

## त्योहारी सीजन से पहले FSSAI का फरमान, दुकानदारों को नहीं करना होगा यह काम

**नई दिल्ली। एजेंसी**

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI) ने त्योहारी सीजन से पहले मिठाई निर्माताओं के लिए कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने मिठाई बनाने वाले दुकानदारों को निर्देश दिया है कि वह खुले में मिठाई बनाने से परहेज करें। अगले महीने से त्योहारी सीजन की शुरुआत हो रही है। ऐसे में फूड सेफ्टी नियामक इएएंध ने फूड प्रॉडक्ट में कारोबार करने वाले व्यवसायों को क्वॉलिटी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। साथ ही मिठाई निर्माताओं और खाद्य व्यवसाय ऑपरेटरों के साथ अपनी बैठक के दौरान उन्हें मिलावटी कच्चे माल, विशेष रूप से दूध उत्पादों के प्रति आगाह किया है।

बैठक के बाद एक बयान में इएएंध ने कहा कि आगामी त्योहारी सीजन के मद्देनजर, इएएंध ने खाद्य पदार्थों और कच्चे माल की सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को मिठाई निर्माताओं के साथ एक बैठक की। बैठक में देशभर के मिठाई निर्माताओं और असोसिएशनों ने भाग लिया। बैठक में 150 से अधिक व्यवसाय संचालकों ने भाग लिया। यह बैठक उपभोक्ता को निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री को लेकर सुरक्षित भोजन सुनिश्चित करने पर केंद्रित थी।

### मिलावट की जांच

इएएंध ने कहा कि सभी संचालकों को नियमों का पालन करते हुए तलने के दौरान तेल की गुणवत्ता की निगरानी करना आवश्यक है। इसमें कहा गया है, संचालकों को खुली मिठाइयों के लिए सुरक्षित बनाए रखने की सलाह दी है। क्योंकि इससे खाद्य सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा हो सकते हैं। इएएंध ने यह भी कहा कि कच्चे माल विशेषकर दूध और दूध उत्पादों में मिलावट की जांच पर अधिक जोर दिया गया है। खोआ, पनीर और घी में मिलावट का खतरा अधिक रहता है। इएएंध ने दूध, खोआ, घी और पनीर आदि की खरीद केवल इएएंध से रजिस्टर्ड या लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं से सुनिश्चित करने के लिए भी जागरूक किया।

---

## क्या फिर बढ़ेंगे अमूल दूध के दाम, कंपनी ने दिया दिल खुश करने वाला जवाब

**नई दिल्ली। एजेंसी**

अमूल दूध की बढ़ती कीमतों से फिलहाल आपको राहत मिलने वाली है। अमूल दूध की कीमतें अभी नहीं बढ़ने वाली है। कंपनी ने इस बारे में बड़ा बयान दिया है, जिसमें कहा गया है कि फिलहाल दूध की कीमतें बढ़ने की संभावना नहीं है। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) ने कहा है कि अमूल दूध के दामों में बढ़ोतरी की संभावना नहीं है। जीसीएमएमएफ के प्रबंध निदेशक जयेन एस मेहता ने इस बारे में कहा कि गुजरात में मानसून समय पर आया और अच्छी बारिश हुई है। जयेन एस मेहता ने कहा कि बरसात अच्छी होने से दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि बरसात अच्छी रहने के बाद दूध खरीद का काम काफी बेहतर रहने का अनुमान है, जिससे दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि इस साल गुजरात में बारिश अच्छी हुई है, जिसकी वजह से पशुपालकों को चारे की लागत के लिए अधिक खर्च नहीं करना होगा, उनपर दवबा कम होगा तो दूध की खरीद अच्छी होगी। ऐसे में हम पर दूध की कीमतों में बढ़ोतरी का दबाब खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अमूल हर साल करीब 3,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रहे हैं और आने वाले सालों में भी ऐसा होता रहेगा। उन्होंने कहा कि दूध उत्पादन को बढ़ाने के लिए हम राजकोट में एक नए डेयरी संयंत्र लगाने की तैयारी कर रहे हैं। जिसकी क्षमता 20 लाख लीटर प्रतिदिन से अधिक की होगी।

# दुनियाभर में इकॉनमी के मोर्चे पर काले बादल

## पर भारत लगातार दिखा रहा दमखम, अब आया वर्ल्ड बैंक का यह अनुमान

**नई दिल्ली। एजेंसी**

निवेश और घरेलू मांग के दम पर भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 6.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। विश्व बैंक की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल की पृष्ठभूमि में भारत लगातार मजबूती दिखा रहा है। विश्व बैंक की भारत की वृद्धि से जुड़ी रिपोर्ट के अनुसार, भारत जो दक्षिण-एशिया क्षेत्र का बड़ा हिस्सा है, की सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वृद्धि दर 2023-24 में 6.3 प्रतिशत रहेगी। विश्व बैंक ने अपनी अप्रैल रिपोर्ट में भी 6.3 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। भारत ने 2022-23 में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी।

### इस तरह बढ़ेगी ग्रोथ रेट

भारत में विश्व बैंक के 'कंट्री निदेशक' ऑगस्ते तानो कुआमे ने कहा, 'प्रतिकूल वैश्विक वातावरण अल्पावधि में चुनौतियां उत्पन्न करता रहेगा। सार्वजनिक व्यय के दोहन से अधिक निजी निवेश बढ़ेगा और भारत के लिए भविष्य में वैश्विक अवसरों का लाभ उठाने के लिए अनुकूल परिस्थितियां उत्पन्न करेगा। इससे उच्च वृद्धि हासिल करने होगी।'

### महंगाई होगी धीरे-धीरे कम

मुद्रास्फीति पर रिपोर्ट में कहा गया कि खाद्य पदार्थों की कीमतें घटने और सरकारी उपायों से प्रमुख वस्तुओं की आपूर्ति सुधरने से इसके धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है। मौजूदा वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति 5.9 प्रतिशत पर रहने की उम्मीद है।

### साउथ एशिया की ग्रोथ रेट 5.8% रहने का अनुमान

विश्व बैंक ने कहा कि दक्षिण एशिया की वृद्धि दर इस साल 5.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जो दुनिया के किसी भी अन्य विकासशील देशों के क्षेत्र की तुलना में अधिक है। हालांकि, यह वैश्विक महामारी से पहले की गति से धीमी है और विकास लक्ष्यों को हासिल करने की दृष्टि से पर्याप्त नहीं है।

### माल निर्यात की ग्रोथ रह सकती है धीमी

विश्व बैंक के उपाध्यक्ष (दक्षिण एशिया क्षेत्र) मार्टिन रायसर ने कहा, 'पहली नजर में दक्षिण एशिया वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक उज्ज्वल स्थल है। विश्व बैंक का अनुमान है कि यह क्षेत्र अगले कुछ वर्षों में किसी भी अन्य विकासशील देश क्षेत्र की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ेगा।' कमजोर विदेशी मांग के परिणामस्वरूप माल निर्यात की वृद्धि धीमी होने का अनुमान है, हालांकि मजबूत सेवा निर्यात से इसकी भरपाई हो जाएगी। रोजगार संकेतक कमजोर रहे हैं, हालांकि उचित नीतियों के साथ देश की आर्थिक वृद्धि अधिक रोजगार का सृजन कर सकती है।

# 26 अक्टूबर को आ रही वैगनआर इलेक्ट्रिक

## फीचर्स की डिटेल आई सामने

**नई दिल्ली। एजेंसी**

मारुति सुजुकी ने इसी साल ऑटो एक्सपो 2023 में अपनी इलेक्ट्रिक eVX SUV को पेश किया था। ये एक कॉन्सेप्ट मॉडल था। माना जा रहा है कि कंपनी इसके प्रोडक्शन मॉडल को अगले साल मार्केट में लॉन्च कर सकती है। इसका मुकाबला अपकमिंग क्रेटा EV, किआ सेल्टोस EV और टाटा कर्व EV जैसे मॉडल से होगा। इस बीच सुजुकी ने अपनी eWX इलेक्ट्रिक कार का कॉन्सेप्ट दिखाया है। ये वैगनआर का इलेक्ट्रिक मॉडल भी कहा जा रहा है। सुजुकी इस इलेक्ट्रिक कार पर लंबे समय से काम कर रही हैं। भारत में इसका मुकाबला टाटा टियागो EV, सिट्रोन eC3 और MG कॉमेट EV जैसे मॉडल से होगा।

### कोविड- 19 ने लॉन्चिंग को डिले कर दिया

सुजुकी eWX इलेक्ट्रिक कार से जुड़ी जानकारी के मुताबिक, मारुति सुजुकी 2020 से वैगनआर इलेक्ट्रिक लॉन्च करने के लिए काम कर रही थी। हालांकि, कोविड- 19 महामारी और उसके बाद टेक्नो- कमर्शियल

वाइबिलिटी समस्याओं के चलते उसे अपनी योजना को स्थगित करना पड़ा था। अब देश के अंदर इलेक्ट्रिक फोर व्हीलर सेगमेंट ने रफ्तार पकड़ ली है। कई कंपनियां अपनी छोटी-बड़ी इलेक्ट्रिक कार लेकर आ रही हैं। इसी को देखते हुए मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार eWX जिसे वैगनआर भी कहा ज रहा है, उसे उतार सकती है।

### 26 अक्टूबर को किया जाएगा पेश

वैगनआर इलेक्ट्रिक वास्तव में eWX इलेक्ट्रिक मिनी वैगन के तौर पर अपना आकार ले सकती है। इसे अपकमिंग जापान मोबिलिटी शो 2023 में पेश किया जाएगा। यह इवेंट 26 अक्टूबर से 05 नवंबर, 2023 के बीच होने वाला है। सुजुकी eWX मूल रूप से एक केई (Kei) कार होगी। यह 3,395 स्स लंबी, 1,475 mm चौड़ी और 1,620mm ऊंची होगी। फुल चार्ज पर सुजुकी eWX की रेंज 230Km तक होगी। सुजुकी eWX का प्रोफाइल बॉक्स मौजूदा वैगनआर के जैसा है। हालांकि, इसका डिजाइन इसे ज्यादा खूबसूरत बनाता है। इसमें लंबे विंडो ग्लास और अट्रेक्टिव एलॉय व्हील दिए हैं।

# कंपनियां अब खुद से लागू कर रहीं कारों में 6 एयरबैग्स के नियम

## हुंडई ने कर दिया बड़ा ऐलान

**नई दिल्ली । एजेंसी**

हाल ही में केंद्र सरकार की ओर से कहा गया था कि अब गाड़ियों में 6 एयरबैग्स लगाने का नियम सरकार की ओर से नहीं बनाया जाएगा। दरअसल, हर गाड़ी में छह एयरबैग्स स्टैंडर्ड देने के सरकारी फरमान पर कई कंपनियों ने आपत्ति भी जताई थी। उनका कहना था इससे गाड़ियों की कीमतें और ज्यादा बढ़ जाएंगी। बहरहाल अब लगता है कि कार सेफ्टी का मुद्दा फ्रंट सीट पर आ चुका है और कंपनियों के बीच खुद ही ज्यादा से ज्यादा सेफ्टी फीचर्स देने की होड़ मच गई है। इसी कड़ी में मंगलवार को hyundai ने ऐलान किया कि भारत में बिकने वाली उसकी सभी गाड़ियों में 6 एयरबैग्स स्टैंडर्ड दिए जाएंगे। इसके साथ ही कंपनी ने यह भी बताया कि उसकी मिड लेवल सिडैन 'वरना' को ग्लोबल एनकैप (GNCAP) के टेस्ट में 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। हुंडई इंडिया के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर तरुण गर्ग ने बताया कि कंपनी सेफ्टी को लेकर काफी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने भारत एनकैप (BNCAP) के लिए अपनी तीन कारों को भेजने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि सभी सीटों के लिए 3 पॉइंट सीट

बेल्ट और सीट बेल्ट रिमाइंड को भी स्टैंडर्ड किया गया है। टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और ADAS जैसे हाइएंड फीचर्स का भी दायरा बढ़ाया गया है।

### इन्हें मिली 5 स्टार रेटिंग

'वरना' के सेगमेंट की दो कारों फोक्सवागन वर्टस और स्कोडा स्लाविया को पहले ही GNCAP में 5 स्टार रेटिंग मिल चुकी है। हालांकि 'वरना' hyundai की भारत में पहली कार है जिसे 5 स्टार रेटिंग मिली है। इस वक्त भारत में टाटा और महिंद्रा के पोर्टफोलियो में सबसे ज्यादा 5 स्टार रेटिंग वाली कारें हैं। अब देखना यह होगा कि BNCAP में भारतीय कारें कैसा परफॉर्म करती हैं।

# सिर्फ फूड नहीं लोन भी बांटने लगा स्विगी

### 8000 रेस्टोरेंट मालिकों को बांटा 450 करोड़ रुपये से ज्यादा का लोन

**नई दिल्ली। एजेंसी**

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने मंगलवार को कहा कि उसने अपने कैपिटल असिस्ट प्रोग्राम के तहत 8,000 से ज्यादा रेस्तरां मालिकों को 450 करोड़ रुपये से ज्यादा का लोन दिया है। 2017 में लॉन्च किया गया 'कैपिटल असिस्ट प्रोग्राम' फर्स्ट-इन-सेगमेंट सॉल्यूशन है, जिसे फाइनेंसिंग गैप को कम करने और रेस्तरां मालिकों को सशक्त बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि अब तक 8,000 से अधिक रेस्तरां ने लोन लिया है, जिनमें से 3,000 ने 2022 में लोन लिया है। इंडिफी, इनक्रेड, एफटी कैश, पेयू फाइनेंस और आईआईएफएल सहित कई लोन देने वाले पार्टनर्स के साथ साझेदारी करके, स्विगी टर्म लोन और क्रेडिट लाइन जैसे फाइनेंशियल सॉल्यूशन प्रदान करता है। स्विगी के स्वप्निल बाजपेयी ने कहा, 'एनबीएफसी जल्द ही प्री-अप्रूव्ड लोन जैसे सॉल्यूशन की सुविधा प्रदान करेगी, ताकि हमारे पार्टनर्स को लोन तक आसानी से पहुंच प्राप्त हो सके, जिससे उनके बिजनेस के लिए और भी अधिक ग्रोथ हो सके।'' क्विक साइन-अप से लेकर क्विकर अप्रूवल तक, कैपिटल असिस्ट प्रोग्राम के जरिए, एनबीएफसी रेस्तरां पार्टनर की बिजनेस जरूरतों के लिए फंड उपलब्ध कराने के लिए आसान और कुशल दृष्टिकोण अपनाते हैं। आर्टिनसी इंडल्ज गिल्ट फ्री के मालिक आरती और सुमित रस्तोगी ने कहा, ''हमने अब तक फाइनेंसिंग के तीन राउंड्स किए हैं और इन फंड का उपयोग अपनी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए किया है। आवेदन से लेकर फंड प्राप्त करने तक की पूरी प्रक्रिया अविश्वसनीय रूप से त्वरित, कुशल और पारदर्शी है।''

# घर की इन दिशाओं में वास्तुदोष कर सकता है आपकी सेहत खराब

हर कोई चाहता है कि उसका घर ऐसा हो, जिसमें वह अपने परिवार के साथ सुख पूर्वक रह सके। वास्तुशास्त्र के अनुसार घर हमें न केवल रहने का स्थान प्रदान करता है, बल्कि उसके भीतर या उसके आस-पास की ऊर्जा भी हमारे जीवन को प्रभावित करती है, इसलिए अच्छी सेहत और सुख-समृद्धि के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि घर में पंचतत्वों का संतुलन हो यानि घर वास्तु सम्मत हो। वहीं, वास्तुदोष लगने पर जीवन में अस्थिरता आ जाती है। आमदनी कम हो जाती है। जबकि, खर्च बढ़ जाता है। साथ ही अकस्मात विपत्ति घर में दस्तक देती है। इसके अलावा, दोष लगने पर घर के सदस्य कई बीमारियों से ग्रस्त हो जाते हैं।

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

### ईशान कोण

इस दिशा में वास्तुदोष होने पर घर के पुरुष वर्ग को स्त्रियों की अपेक्षा अधिक समस्याएं होती है। भूखंड या भवन के ईशान कोण में शयन व्यवस्था करने से अनिंद्रा, दुःस्वप्न, स्मृति भंग, मस्तिष्क विकार, रक्तचाप आदि प्रायः घेरे रहते है। दंपति को तो भूलकर भी इस स्थान पर नही सोना चाहिए। ईशान कोण में रसोईघर का होना अनेकानेक तनाव और व्याधियों का कारण होता है। ईशान कोण की रसोई घर में बरकत नहीं होने देती है तथा घर के लोगों को पेट और वायु रोगों से पीड़ित करती है। अन्य दोष ईशानकोण में होने से रक्त विकार, स्त्रियां को यौन रोग और प्रजनन क्षमता भी दुष्प्रभावित हो सकती है।

### दक्षिण दिशा

इस दिशा में वास्तुदोष आ जाने पर महिला वर्ग को पुरुषों की अपेक्षा अधिक हानि उठानी पड़ती है।

### दक्षिण-पूर्व दिशा

इस दिशा में जलस्त्रोत बनवाने से या जल इकट्ठा करने से आंत, आमाशय, फेफड़े आदि के रोग घर के लोगों को होने की संभावना बढ़ जाती है।

### वायव्य कोण

यहां भारी सामान रखने की व्यवस्था हानिकारक साबित होती है। वायु पीड़ा, हड्डी के रोग और मानसिक विकार आदि भारी सामान इस दिशा में रखने से उत्पन्न हो सकते है।

### दक्षिण-पश्चिम कोण

यह जोन यदि खाली और हल्का रहता है तो घर के सदस्यों में तनाव, गुस्सा अधिक होता है। हृदय रोग, जोड़ों का दर्द ,खून की कमी ,पीलिया, आंखों की बीमारी और हाजमे की खराबी आदि रोग होने की संभावना रहती है।

### ब्रह्मस्थान

ईशान कोण की तरह ब्रह्मस्थान का भी हल्का और साफ रहना बहुत आवश्यक है। यहां पर भारी सामान हो तो घर के लोग उन्माद का शिकार हो जाते हैं। जिससे उनका मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है और तनाव रहने लगता है।

### उत्तर दिशा

इस दिशा में वास्तु दोष होने से घर में गुर्दे, कान के रोग ,रक्त संबंधी बीमारियां, थकावट तथा घुटने की बीमारियां बनी रहती है।

### पूर्व दिशा

पूर्व दिशा में दोष होने से व्यक्ति आंखों की बीमारी से ग्रस्त और लकवे का शिकार होता है। संतान हानि भी हो सकती है।

### पश्चिम दिशा

में दोष होने से यकृत, गले के रोग, गाल ब्लैडर की बीमारी हो सकती है। फेफड़े, मुख्य छाती और चमड़ी रोग और गर्मी,पित्त और मस्सा होने की भी संभावना होगी।

# पितृ पक्ष में अचानक दिखें ये संकेत, तो आसपास मौजूद हो सकते हैं आपके पूर्वज

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

पितृपक्ष दौरान श्राद्ध कर्म, तर्पण और पिंडदान करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। पितृ पक्ष 15 दिनों तक चलते हैं। माना जाता है कि इस दौरान हमारे पूर्वज मृत्युलोक पर हमसे मिलने आते हैं। पितृपक्ष के दौरान यदि आपको अपने आसपास यह संकेत दिखाई देते हैं, तो इसका अर्थ हो सकता है कि आपके पितृ आपके आसपास ही मौजूद हैं। इसने में कुछ संकेत शुभ माने जाते हैं तो कुछ अशुभ भी हो सकते हैं।

### घर में पीपल का उगना

यदि घर में अचानक पीपल का पेड़ निकल आए तो, यह संकेत होता है कि आपके पितृ आपके आसपास ही मौजूद है। इसका एक संकेत यह भी हो सकता है कि आपके पितृ आपसे नाराज हैं। ऐसे में आपको पीपल का पेड़ हटाने की बजाए पितृ दोष से मुक्ति के लिए उपाय करने चाहिए।

### लाल चींटियों का दिखना

पितृपक्ष के दौरान यदि अचानक से आपके घर में बहुत-सी लाल चीटियां दिखाई देती हैं और आपको उनके आने का कारण नहीं पता चलता तो यह भी पितरों की मौजूदगी का संकेत हो सकता है। क्योंकि माना गया है कि आपके पितृ चीटियों के रूप में आपसे मिलने आते हैं। ऐसी स्थिति में आपको चीटियों को आटा डालना चाहिए। इससे पितरों को शांति मिलती है।

### तुलसी का सूखना

तुलसी को हिंदू धर्म में विशेष स्थान दिया जाता है। ऐसे में यदि अचानक आपके घर की तुलसी अचानक सूखने लगती है तो यह भी पितरों की मौजूदगी का संकेत हो सकता है। साथ ही यह पितरों की नाराजगी का भी संकेत होता है। ऐसे में आपको पितरों की शांति के लिए उपाय करने चाहिए। पितरों के नाम पर पितृ पक्ष के 16 दिनों तक भजन निकालें और उन्हें जल अर्पित करें। इससे पितृ दोष से मुक्ति मिलती है।

### काले कुत्ते का दिखना

अगर आपको अपने घर के आसपास अचानक से काला कुत्ता दिखाई देता है, तो यह आपके आसपास पितरों की मौजूदगी का संकेत हो सकता है। ऐसा माना जाता है कि काला कुत्ता पितरों का संदेशवाहक हो सकता है। इस संकेत को शुभ माना गया है। इसका अर्थ है कि आपके पितृ आपसे प्रसन्न हैं।

### घर में कौए का आना

पितृ पक्ष में कौए का विशेष महत्व होता है। यदि पितृ पक्ष के दौरान कौआ आपके घर में आकर भोजन ग्रहण करता है तो इसका अर्थ यह है कि आपके पूर्वज आपके आसपास मौजूद है और वह आपको अपना आशीर्वाद दे रहे हैं। इसलिए पितृपक्ष में रोजाना कौए के लिए भोजन निकालना चाहिए। ऐसा करने पर आपके ऊपर पितरों की दया दृष्टि बनी रहती है।

# पितरों का श्राद्ध करने से पहले जान लें जरूरी नियम, वरना पूर्वजों का नहीं मिलेगा आशीर्वाद

पं. राजेश वैष्णव
शनि उपासक ज्योतिष रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
98272 88490

भविष्य पुराण के अनुसार कुल बारह प्रकार के श्राद्ध होते हैं, जो कि इस प्रकार हैं- पहला नित्य, दूसरा नैमित्तिक, तीसरा काम्य, चौथा वृद्ध, पांचवा सपिंडित, छठा पार्वण, सातवां गोष्ठ, आठवां शुद्धि, नौवां कर्मांग, दसवां दैविक, ग्यारहवां यात्रार्थ और बारहवां पुष्टि। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, श्राद्ध में ब्राह्मण को भोजन जरूर करवाना चाहिए। जो व्यक्ति बिना ब्राह्मण को भोजन कराये श्राद्ध कर्म करता है, उसके घर में पितर भोजन ग्रहण नहीं करते और ऐसा करने से व्यक्ति को समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

श्राद्ध से एक दिन पहले ही ब्राह्मण को खाने के लिए निमंत्रण दे आना चाहिए और अगले दिन खीर, पूड़ी, सब्जी और अपने पितरों की कोई मनपसंद चीज और एक मनपसंद सब्जी बनाकर ब्राह्मण को भोजन कराना चाहिए। आपके जिस भी पूर्वज का स्वर्गवास है, उसी के अनुसार ब्राह्मण या ब्राह्मण की पत्नी को निमंत्रण देकर आना चाहिए। जैसे अगर आपके स्वर्गवासी पूर्वज एक पुरुष हैं, तो पुरुष ब्राह्मण को और अगर महिला है तो ब्राह्मण की पत्नी को भोजन खिलाना चाहिए । साथ ही ध्यान रखें कि अगर आपका स्वर्गवासी पूर्वज कोई सौभाग्यवती महिला थी तो किसी सौभाग्यवती ब्राह्मण की पत्नी को ही भोजन के लिए निमंत्रण देकर आएं। तो चलिए आज आचार्य इंदु प्रकाश से जानते हैं कि पितरों का श्राद्ध करते समय किन चीजों का खास ख्याल रखना जरूरी होता है।

### श्राद्ध के दौरान इन बातों का रखें विशेष ध्यान

•श्राद्ध कार्य दोपहर के समय करना चाहिए और अपनी भूमि पर या किसी पवित्र स्थान पर करना चाहिए।

•श्राद्धकर्म में गाय का घी, दूध या दही काम में लेना बेहतर होता है।

•श्राद्ध में तुलसी व तिल का प्रयोग करना चाहिए।

•श्राद्ध के दौरान हो सके तो चांदी के बर्तनों का उपयोग व दान करना चाहिए। साथ ही ब्राह्मणों को भी चांदी के बर्तनों में भोजन कराना चाहिए।

•ब्राह्मण को खाना खिलाते समय दोनों हाथों से खाना परोसें और ध्यान रहे श्राद्ध में ब्राह्मण का खाना एक ब्राह्मण को ही दिया जाना चाहिए।

•श्राद्ध में पितरों की तृप्ति केवल ब्राह्मणों द्वारा ही होती है । अतः श्राद्ध में ब्राह्मण का भोजन एक सुपात्र ब्राह्मण को ही कराएं।

•भोजन कराते समय ब्राह्मण को आसन पर बिठाएं। आप कपड़े, ऊन, कुश या कंबल आदि के आसन पर बिठाकर भोजन करा सकते हैं

•ध्यान रहे कि आसन में लोहे का प्रयोग बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए।

•भोजन के बाद ब्राह्मण को अपनी इच्छा अनुसार कुछ दक्षिणा और कपड़े आदि भी देने चाहिए।

•श्राद्ध के दिन बनाए गए भोजन में से गाय, देवता, कौओं, कुत्तों और चींटियों के निमित भी भोजन जरूर निकालना चाहिए।

•ब्राह्मण आदि को भोजन कराने के बाद ही घर के बाकी सदस्यों या परिजनों को भोजन कराएं।

•एक ही नगर में रहने वाली अपनी बहन, जमाई और भांजे को भी श्राद्ध के दौरान भोजन जरूर कराएं। ऐसा न करने वाले व्यक्ति के घर में पितरों के साथ- साथ देवता भी भोजन ग्रहण नहीं करते।

•श्राद्ध के दिन अगर कोई भिखारी या कोई जरूरमंद आ जाए तो उसे भी आदरपूर्वक भोजन जरूर कराना चाहिए।

•श्राद्ध के भोजन में जौ, मटर, कांगनी और तिल का उपयोग श्रेष्ठ रहता है। तिल की मात्रा अधिक होने पर श्राद्ध अक्षय हो जाता है। कहते हैं तिल पिशाचों से श्राद्ध की रक्षा करते हैं । साथ ही श्राद्ध के कार्यों में कुशा का भी महत्व है।

### श्राद्ध के दौरान इन चीजों की होती है मनाही

श्राद्ध के दौरान चना, मसूर, उड़द, कुलथी, सत्तू, मूली, काला जीरा, कचनार, खीरा, काला नमक, लौकी, बड़ी सरसों, काले सरसों की पत्ती और बासी अन्न निषेध है। आपको इन सब बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

# भारत के सीबीजी रिवोल्यूशन का नेतृत्व कर रहा है एवरएनवायरो

## पूरे भारत में अपने पदचिह्नों का विस्तार करने की बना रहा योजना

**इंदौर। एजेंसी**

इंदौर में चल रहे स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव के अवसर पर, एवरएनवायरो रिसोर्स मैनेजमेंट ने मंगलवार को इंदौर स्थित अवंतिका गैस लिमिटेड (एजीएल) की पाइपलाइन में कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) के इंजेक्शन का उद्घाटन किया। सीबीजी पाइपलाइन इंजेक्शन क्रोमैटोग्राफ के माध्यम से गैस की गुणवत्ता पर नजर रखता है एवं एजीएल की उत्पादकता को भी बढ़ाएगा। इस उन्नत सुविधा से कम्प्रेशन, ईंधन और परिवहन पर खर्च में कटौती होगी, जिससे शहर में CO2 उत्सर्जन में काफी हद तक कमी आएगी। यह यूनिट सप्लाई ग्रिड में प्रतिदिन पांच से छह टन गैस डालने की क्षमता रखती है। उद्घाटन समारोह में अवंतिका गैस लिमिटेड, इंदौर के एमडी श्री अनुपम मुखोपाध्याय, एवरएनवायरो रिसोर्स मैनेजमेंट के एमडी और सीईओ श्री महेश गिरधर और गेल के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस अवसर पर एवरएनवायरो के श्री गिरधर ने कहा 'माननीय प्रधानमंत्री जी की 'वेस्ट-टू-वेल्थ' पहल एवं जीरो-वेस्ट और सर्कुलर इकोनॉमी के दोहरे उद्देश्यों को प्राप्त करने की महत्वाकांक्षा के तहत, हमने यह अत्याधुनिक तकनीक की स्थापना की है। 550 टन प्रति दिन क्षमता वाला यह बायो-सीएनजी प्लांट्स हमारे शहरों के आने वाले कल के लिए एक नई जीवन शैली को नया आकार देने वाले इनोवेशन को बढ़ावा देता है।'' श्री गिरधर ने आगे कहा 'हम म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट (एमएसडब्ल्यू), एग्रो वेस्ट और एग्रो-इंडस्ट्रियल वेस्ट सहित अलग अलग तरह के फीडस्टॉक के आधार पर पूरे भारत में 100 से अधिक सीबीजी प्लांट स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य अगले 4-5 वर्षों में पूरे भारत में 1000 मीट्रिक टन का डेली सीबीजी आउटपुट प्राप्त करना है।'

# कामगारों का Passport अपने पास नहीं रख सकता नियोक्ता

## यूएई लेबर कानून के तहत मिलेगी सजा

**नई दिल्ली। एजेंसी**

संयुक्त अरब अमीरात में Ministry of Human Resources and Emiratisation (MOHRE) के द्वारा कामगारों की रक्षा के लिए कई तरह के नियमों को बनाया गया है। नियम कानून के बावजूद भी ऐसे कई मामले सामने आते हैं जिनमें नियोक्ताओं के द्वारा कामगारों का शोषण किया जाता है। कई बार यह मामला देखने में सामने आता है कि नियुक्ति के द्वारा कामगारों का पासपोर्ट जबरदस्ती रख लिया जाता है। कानून के मुताबिक नियुक्ति को यह अधिकार नहीं है कि वह कामगार की मर्जी के बिना उसका Passport अपने पास रखे।

### किसी तरह का सैलरी नहीं काट सकता

कोई बात ऐसा भी देखने को मिलता है जब नियोक्ताओं के द्वारा कामगारों की सैलरी काट ली जाती है। किसी भी नियोक्ता को यह अधिकार नहीं है कि वह बेवजह कामगार की सैलरी काट ले। इसके अलावा नियोक्ता को यह अधिकार नहीं है कि वह कामगार को कोई ऐसा काम दे जो कि कॉन्ट्रेक्ट में नहीं है।

# ग्रो म्यूचुअल फंड ने भारत का पहला टोटल मार्केट इंडेक्स फंड लॉन्च किया

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

ग्रो म्यूचुअल फंड ने ग्रो निफ्टी टोटल मार्केट इंडेक्स फंड लॉन्च करने की घोषणा की, जो निफ्टी टोटल मार्केट इंडेक्स पर आधारित है। फंड का प्रबंधन श्री अनुपम तिवारी (फंड मैनेजर) करेंगे। ग्रो निफ्टी टोटल मार्केट इंडेक्स फंड निफ्टी टोटल मार्केट इंडेक्स को ट्रैक करेगा और निफ्टी टोटल मार्केट इंडेक्स के कुल रिटर्न के अनुरूप खर्चों से पहले संभावित रिटर्न प्रदान करने का लक्ष्य रखेगा, जो ट्रैकिंग की त्रुटियों के अधीन होगा। यह फंड 3 अक्टूबर, 2023 से 17 अक्टूबर, 2023 तक सब्सक्रिप्शन यानी सदस्यता के लिए खुला रहेगा और यूनिट्स के आवंटन की तारीख से या उससे पहले, पांच कामकाजी दिनों के भीतर ऑनगोइंग सब्सक्रिप्शन और रिडेम्पशन के लिए फिर से खुलेगा। यह भारत का पहला टोटल मार्केट इंडेक्स फंड होगा।

Groww
MUTUAL FUND

निफ्टी टोटल मार्केट इंडेक्स में लार्ज, मिड और स्मॉल कैप सेगमेंट के 1750 स्टॉक शामिल हैं। जहां इंडेक्स में लार्ज-कैप स्टॉक इसके वेटेज का 72.03% है, वहीं लगभग 27.97% मिड, स्मॉल और माइक्रोकैप स्टॉक्स1 के लिए है। यह संरचना बड़ी कैप कंपनियों की स्थिरता को मिड और स्मॉल कंपनियों की विकास संभावनाओं के साथ संतुलित करने का प्रयास करती है। इंडेक्स एनएसई के कुल बाजार पूंजीकरण का लगभग 96इ कवर करता है, जबकि निफ्टी 50 का कवरेज 49इ है2। यह व्यापक कवरेज भारत के शेयर बाजार की पूरी तस्वीर पेश करता है। इसके अलावा, इसकी प्रकृति की विविधता व्यक्तिगत क्षेत्रों से जुड़े जोखिमों को कम करती है। ऐतिहासिक रूप से, इस इंडेक्स ने कुल और जोखिम-समायोजित रिटर्न दोनों के मामले में निफ्टी 50 से बेहतर परफॉरमेंस किया है, और इसकी दस साल की गिरावट निफ्टी 50 के स्तर की है।

# सोना खरीदने का शानदार मौका! कीमतों में आई रेकॉर्ड गिरावट

## चांदी के भी कम हुए भाव

**नई दिल्ली। एजेंसी**

सराफा व्यापारी संतोष वाधवानी ने जानकारी देते हुए बताया कि सोने की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है। सोने के भाव आसमान से गिरकर जमीन पर आ गए हैं। कभी 59 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर चल रहे सोने के भाव अब कम होकर 57 हजार रुपये के करीब पहुंच रहे हैं। चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखी जा रही है। अगर आप सोना खरीदने की सोच रहे हैं तो आपके पास अच्छा मौका है। सोना आज भी एमसीएक्स एक्सचेंज पर गिरावट के साथ खुला है। सोने के भाव में सुबह से ही कमजोरी देखी जा रही है। चांद के भाव भी गिरकर खुले हैं। पिछले सप्ताह भी सोने के भाव में गिरावट देखी गई थी। बीते सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भी सोना गिरावट के साथ खुला था। सोने की कीमतों में अभी और गिरावट आने की संभावना जताई जा रही है।

### क्या हैं सोने के भाव

एमसीएक्स एक्सचेंज पर मंगलवार की सुबह 5 दिसंबर 2023 को डिलीवरी वाला सोना गिरावट के साथ 57426 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है। यह बीते सोमवार की शाम को 57600 रुपये के भाव पर बंद हुआ था। वहीं 5 फरवरी 2023 को डिलीवरी वाला सोना आज गिरावट के साथ लुढ़कर 57087 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है। 5 अक्टूबर 2023 को डिलीवरी वाला सोना आज 56209 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है।

### क्या है चांदी की कीमत

चांदी की कीमतों (Silver Price Today) में मंगलवार को गिरावट देखी जा रही है। एमसीएक्स पर मंगलवार की सुबह 5 दिसंबर 2023 को डिलीवरी वाली चांदी का भाव गिरावट के साथ 69255 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर खुला है। यह सोमवार की शाम को 69255 रुपये के भाव पर बंद हुई थी। वहीं 5 मार्च 2024 को डिलीवरी वाली चांदी का भाव 68467 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला है।

### सोने के वैश्विक भाव

सोने की वैश्विक कीमतों में भी मंगलवार को गिरावट देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.622 फीसदी या 11.50 डॉलर की गिरावट के साथ 1,835.70 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव 1820.05 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा।

### चांदी की वैश्विक कीमत

कॉमेक्स पर चांदी का वैश्विक वायदा भाव में मंगलवार को गिरावट है। कॉमेक्स पर मंगलवार की सुबह चांदी 1.03 फीसदी या 0.22 डॉलर की गिरावट के साथ 21.20 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी। वहीं, चांदी की वैश्विक हाजिर कीमत भी गिरकर 21.00 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी।

सोने और चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट देखी जा रही है। पिछले सप्ताह भी गोल्ड और सिल्वर की कीमतें लुढ़की थीं। बीते हफ्ते कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिन यानी शुक्रवार को सोना और चांदी दोनों गिरावट के साथ बंद हुए थे।

# मीशो ने अपने प्लेटफॉर्म नॉन जीएसटी इंक्लूसिव बनाया

## लाखों नए विक्रेताओं को ऑनलाइन आने में मदद मिलेगी

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

भारत के एकमात्र टू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस, मीशो ने घोषणा की है कि अब उसके प्लेटफॉर्म पर नॉन-जीएसटी विक्रेता भी बिक्री कर सकेंगे। मीशो ने 01 अक्टूबर, 2023 से नॉन-जीएसटी विक्रेताओं को अपने प्लेटफॉर्म पर बिक्री शुरू करने में समर्थ बनाने के लिए कई टेक्नोलॉजिकल अनुकूलन किए हैं। मीशो ने यह शुरुआत हाल ही में जीएसटी काउंसिल द्वारा 40 लाख रुपये तक के टर्नओवर वाले नॉन-जीएसटी विक्रेताओं को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर लाने की अनुमति मिलने के बाद की।

इस बारे में मीशो के को-फाउंडर एवं सीईओ, विदित आत्रेय ने कहा भारत सरकार ने ऑनलाइन बिक्री करने वाले छोटे व्यवसायों के लिए जीएसटी पंजीकरण की अनिवार्यता को खत्म करने का ऐतिहासिक निर्णय लेकर एक समावेशी और डिजिटल रूप से सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठाया है। इससे न केवल आर्थिक विकास, बल्कि देश में कारीगरों, शिल्पकारों, महिला उद्यमियों और लाखों एसएमई को सशक्त बनाने

की ओर सरकार की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। मीशो में हम इस ऐतिहासिक प्रगति के लिए उत्साहित हैं। हमारा मानना है कि इस छूट से न केवल उद्यमियों को विस्तृत अवसर मिलेंगे, बल्कि हमारे उत्पादों का विस्तार होकर ग्राहकों का अनुभव भी बेहतर बनेगा। मीशो छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के साथ एमएसएमई को डिजिटल युग में आगे ले जाने और एक 'आत्मनिर्भर भारत' का निर्माण करने के लिए तत्पर है। हम 2027 तक 10 मिलियन विक्रेताओं को डिजिटल बनाने के उद्देश्य के साथ इस परिवर्तनकारी यात्रा के लिए आशान्वित हैं।' इस बारे में नैस्कॉम के वाईस-प्रेसिडेंट और हेड, पब्लिक पॉलिसी, आशीष अग्रवाल ने कहा हम सरकार द्वारा छोटे व्यवसायों को जीएसटी के अंतर्गत पंजीकरण कराये बिना ऑनलाइन बिक्री करने की अनुमति दिये जाने से उत्साहित हैं। इससे वंचित क्षेत्रों में व्यवसाय की बड़ी संभावनाएं उत्पन्न होंगी, और वहाँ आर्थिक प्रगति के साथ रोजगार का सृजन हो सकेगा। नॉन-जीएसटी विक्रेताओं को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर लाने से आर्थिक समावेशन बढ़ेगा, और डिजिटल इंडिया का उद्देश्य पूरा करने में योगदान मिलेगा।'

# गर्दन की गांठें या गर्दन के आसपास सूजी हुई गांठें खतरनाक हो सकती हैं- डॉ. राहुल भार्गव

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

लिम्फ नोड्स प्रतिरक्षा रक्षा के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और संक्रमणों से लड़ते हैं। बुखार के बढ़ते मामलों और लिम्फ नोड सूजन जैसी उभरती चिकित्सा स्थितियों के बीच, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है क्योंकि वे संक्रामक और गैर संक्रामक दोनों मूल के होते हैं और कभी-कभी दोनों एक साथ होते हैं। वे सूजन, संक्रमण - बैक्टीरिया, वायरल और फंगल के कारण हो सकते हैं और मूल रूप से कैंसरयुक्त भी हो सकते हैं। फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम के हेमेटोलॉजी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट के प्रधान निदेशक डॉ. राहुल भार्गव ने कहा, 'लिम्फोमा के लिए, नई उपचार विधियों के साथ इलाज की दर अधिक हो गई है, लेकिन प्रारंभिक

निदान की आवश्यकता है। पहली बात जब हम बढ़े हुए लिम्फ नोड या लंबे समय तक बुखार या वजन में कमी देखते हैं तो हमें हॉजकिन्स या नॉनहॉजकिन्स लिमोमा के बीच लक्षण और अंतर करने के लिए लिम्फ नोड बायोप्सी करनी चाहिए, जिसके लिए हमें इम्यूनहिस्टोकेमिस्ट्री नामक विशेष परीक्षण की आवश्यकता होती है। लिम्फोमा को क्षय रोग (टीबी) के रूप में गलत निदान किया जाता है, इसलिए इसका सही निदान करना महत्वपूर्ण हो जाता है, इन दोनों को अलग करने का एकमात्र तरीका बायोप्सी और रक्त परीक्षण है। डॉ. राहुल भार्गव ने आगे कहा, 'निदान के बाद, सही उपचार योजना बहुत महत्वपूर्ण है। आधुनिक उपचार विधियों के साथ-साथ बीएमटी जैसे सुरक्षित और प्रभावी उपचार विकल्पों ने बड़े पैमाने पर परिणामों को बेहतर बनाने में मदद की है। कई मरीज टर्मिनल घोषित होने के बाद भी सफलतापूर्वक ठीक हो गए क्योंकि हमने इनोवेटिव मॉड्यूल को एक महत्वपूर्ण और प्रभावी उपचार विकल्प माना।

# शाओमी इंडिया ने दीवाली की शुरुआत मी उत्सव के साथ की

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

इस बार सबसे खास दीवाली मनाने की तैयारी कर लीजिए क्योंकि देश के सबसे भरोसेमंद स्मार्टफोन X एआईओटी ब्रांड, शाओमी इंडिया ने #TechSeSmartDilSeSmart की थीम के साथ अपने अत्यधिक अपेक्षित 'दीवाली विथ मी' फेस्टिव कैंपेन का लेटेस्ट एडिशन पेश किया है। इस वर्ष के कैंपेन में आश्चर्य, इनोवेशन और उपभोक्ताओं को दिल से सबसे स्मार्ट विकल्प चुनने में मदद करने की अटूट प्रतिबद्धता का यादगार अनुभव मिलेगा। टेक्नोलॉजी की दुनिया में मौजूद अनेकों विकल्पों के बीच शाओमी इस दीवाली उपभोक्ताओं को किफ़ायती मूल्य में इनोवेटिव टेक्नोलॉजी प्रदान करके 'दिल से स्मार्ट' विकल्प चुनने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस कैंपेन में शाओमी के ब्रांड एंबेसडर, दिशा पाटनी और पंकज त्रिपाठी शाओमी के 'स्मार्ट एंजेल्स' के रूप में दिखाई देंगे, जो इस रोमांचक यात्रा में उपभोक्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे। अपने दिलकश आकर्षण और असीम ऊर्जा के साथ दिशा पाटनी तथा बहुमुखी प्रतिभा और जीवन से जुड़े व्यक्तित्व के साथ, पंकज त्रिपाठी उपभोक्ताओं के दिल और दिमाग को जीतने के शाओमी के उद्देश्य को प्रतिबिंबित करते हैं। इस अभियान के बारे शाओमी इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, अनुज शर्मा ने बताया, 'भारत में त्योहार

घरों को नया बनाने और नया रूप देने के लिए शुभ माने जाते हैं। आज के समय में जब टेक्नोलॉजी खरीदने के मामले में उपभोक्ताओं के पास विकल्पों की कोई कमी नहीं, तो वो या तो ऐसी चीज खरीदते हैं, जो उनके दिमाग़ को पसंद आती है, या फिर वो चीज, जो उनका दिल कहता है। हम अपने उपभोक्ताओं को बताना चाहते हैं कि इस दीवाली शाओमी उत्पाद खरीदने पर उन्हें यह समझौता करने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। उपभोक्ताओं को शाओमी स्मार्टफोन, स्मार्ट टीवी और एआईओटी उत्पादों पर बेहतरीन ऑफर और शानदार बंडल मिलेंगे, जिससे उनकी हर खरीददारी 'टेक से स्मार्ट' और 'दिल से स्मार्ट' बन जाएगी।'

# HQ स्टेशनरी ने गांधी जयंती पर विशेष 'खादी' कवर जर्नल का शुभारंभ किया

### भारत की समृद्ध विरासत और संस्कृति के प्रति सम्मान जताने वाले ये जर्नल अपने तरह के अनूठे हैं

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

नवनीत एजुकेशन के हाउस के प्रीमियम स्टेशनरी ब्रांड HQ ने गांधी जयंती के अवसर पर एक खास 'खादी' जर्नल सीरीज़ लॉन्च की है। खादी भारतीय इतिहास और संस्कृति में बेहद महत्व रखता है। हाथ से काते और हाथ से बुने गए इस कपड़े को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी ने लोकप्रिय बनाया था। उन्होंने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के तरीके के रूप में खादी के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया। स्वदेशी आंदोलन, जिसका उद्देश्य भारतीय निर्मित उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित करना था, खादी के उपयोग से निकटता से जुड़ा हुआ था।

खादी भारतीय संस्कृति और इतिहास में गर्व की भावना पैदा करती है और स्थानीय कारीगरों का समर्थन करने और टिकाऊपन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाती है; यह सिर्फ एक ताना-बाना नहीं है - यह भारत की सांस्कृतिक पहचान और विरासत का एक अभिन्न अंग है। आज भी इसे व्यापक पैमाने पर इस्तेमाल किया जाता है, न केवल कपड़ों के लिए बल्कि घर के सामान, एसेसरी और अब, पहली बार, जर्नल कवर पर! HQ के ये जर्नल खादी के कपड़ों से परे विस्तार का आधुनिक नज़रिया हैं। जर्नल नेचर शेड 80 GSM पेपर से बना है, जो भारतीय यूज़रों द्वारा सबसे ज़्यादा इस्तेमाल किए जाने वाला और पसंदीदा है। खादी का कपड़ा आपको लिखते समय आधार समर्थन देने के लिए एक मोटे, मजबूत हार्ड केस से बंधा हुआ है। जर्नल 4 समृद्ध खादी रंगों में उपलब्ध है और इसमें 5 साइज़ के 192 पन्ने हैं।

नवनीत में डोमेस्टिक स्टेशनरी डिवीजन के चीफ स्ट्रैटजी ऑफिसर अभिजीत सान्याल कहते हैं, 'नवाचारी विचारों को अपनाने से हमें इस तरह के सरल लेकिन वैल्यू ऐडेड प्रॉडक्ट लाने में बेहद मदद मिली है। यह उत्पाद भारत की समृद्ध विरासत और संस्कृति को हमारा नमन है।' इस जर्नल पर लगने वाली आपके कलम की स्याही आपके कलम को वाकई और भी धारदार बना देगी।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।